POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination December, 2011

IBO-04: EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time: 3 hours Maximum Marks: 100

Note: Answer both parts A and B.

PART - A

- 1. Comment on any four of the following statements: 5x4=20
 - (a) Foreign Trade (Development and Regulation) Act is the only legislation seeking to regulate foreign trade operations.
 - (b) Exporter-Importer Code (IEC) Number is needed for export and import of goods and services from India.
 - (c) Bill of Lading is a document issued by the shipping company as an evidence of receipt of goods also acts as document of title.
 - (d) In a high risk situation, export credit insurance can be of immerse help not only to exporters but also to the banks who provide finance for export transactions.
 - (e) Documentary Collection (DP and DA payment term is riskier than Documentary Credit (Letter of Credit).

PART - B

Answer any four questions.

- Export documents are needed to comply with commercial, legal and incentive requirements.
 Discuss any one of these three perspectives in detail mentioning the various documents needed.
- 3. What do you understand by the Value Added 5+15 Network (VAN)? What are its key components? Explain giving appropriate illustrations in support of your answer.
- 4. What do you mean by packing credit? What is the purpose of extending the credit? Explain the conditions, procedure and also the stage of export transaction for grant of this facility.
 5+5+10
- 5. Why is cargo insurance needed? Describe the 5+15 various kinds of perils against which insurance cover can be obtained. Explain with suitable illustrations.
- 6. Discuss the terms of procedures and attendant documentation in various stages of customs clearance of import cargo.
- 7. Write short notes on *any Two* of the following: 10+10
 - (a) Incoterms 2000
 - (b) Certificate of Origin
 - (c) Chartering Practices
 - (d) Special Economic Zones.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2011

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : ३ घण्टे

अधिकतम अंक :100

नोट: खंड-अ और खंड-ब दोनों खण्डों के उत्तर लिखिये।

खण्ड-अ

- 1. निम्नलिखित में से *किन्हीं चार* कथनों पर टिप्पणी कीजिए। 5x4=20
 - (a) विदेश व्यापार (विकास तथा विनियमन) अधिनियम ही एकमात्र ऐसा विधान है. जो विदेश व्यापार प्रचालन को विनियमित करता है।
 - (b) आयातक-निर्यातक कोड (IEC) संख्या की आवश्यक्ता, भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात एवं निर्यात के लिये होती है।
 - (c) जहाजी बिल्टी जहाजी कम्पनियों द्वारा निर्गमित एक प्रलेख है जो जहाजी कम्पनी द्वारा दी गई माल की रसीद का साक्ष्य है। यह स्वामित्व प्रलेख जैसा कार्य भी करता है।
 - (d) बहुत अधिक जोखिम की स्थिति में निर्यात ऋण बीमा, न सिर्फ निर्यातकों के लिये बिल्क उन बैंकों के लिये भी, जो निर्यात लेन-देन के लिये वित्त प्रदान करते हैं, अत्यिधक सहायक होती है।
 - (e) प्रलेखीय वसूली (DP और DA) भुगतान की शर्त, प्रलेखीय (साख पत्र) से अधिक जोखिम भरी है।

खण्ड-ब

किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- 2. निर्यात प्रलेखों की आवश्यकता वाणिज्यिक, कानूनी और प्रोत्साहन 20 आवश्यकता के अनुपालन के लिये होती है। इन दृष्टिकोंणों में से किसी एक का वर्णन, आवश्यक विभिन्न दस्तावेजों (प्रलेखों) का उल्लेख करते हुये करिये।
- अतिरिक्त मूल्य नेटवर्क (VAN) से आप क्या समझते हैं? 5+15
 अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण देकर समझाइये।
- 4. पैिकंग साख से आप क्या समझते हैं। साख को बढ़ाने का उदद्श्य क्या होता है? इसके मुख्य घटक कौन-कौन से हैं? इस सुविधा को प्रदान करने लिये आवश्यक शर्तों, प्रक्रियाओं एवं निर्यात लेन-देन के चरणों को समझाइये।
- 5. जहाजी माल बीमा की आवश्यकता क्यों होती है ? विभिन्न प्रकार 5+15 के जोखिमों की व्याख्या किरये जिसके लिये बीमा संरक्षण (बीमा कवर) प्राप्त किया जाता है। उपयुक्त उदाहरण के साथ वर्णन किरये।
- आयात माल की सीमा शुल्क निकासी के विभिन्न चरणों, प्रक्रिया 20
 की शर्तों तथा आवश्यक प्रलेखन की व्याख्या करिये ।
- 7. निम्नालिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये 10+10
 - (a) इंकोटर्म्स 2000
 - (b) मूलस्थान प्रमाण पत्र
 - (c) चार्टर प्रथाएं
 - (d) विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ).